मंगलवार
33 साल से देहरादून का विश्वास
12 अगस्त 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 187
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

रेस्क्यू अभियान फिर शुरू

●मलबे से अब तक कुछ भी नहीं मिला, सर्चिंग जारी

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। हर्षिल और धराली की आपदा को आज आए हुए पूरा एक सप्ताह का समय बीत चुका है। लेकिन इस आपदा में कुल कितने लोग मरे और कितने लापता है इसकी सही संख्या को लेकर अभी स्थिति साफ नहीं हो सकी है भले ही सरकार ने मरने और लापता लोगों की संख्या 50 के आसपास बताई गई हो लेकिन प्रत्यक्षदर्शी इनकी संख्या कई गुना अधिक बता रहे हैं। जहां तक आपदा राहत की बात है तो प्रभावितों तक जरूरी राशन कपड़ा तो पहुंच चुका है लेकिन लापता लोगों की तलाश मुश्किल हो रही है और मलवे से अब किसी के भी जिंदा निकल पाने की सभी संभावनाएं समाप्त हो चुकी है कितने शव बरामद हो सकेंगे यह समय ही बताएगा।

बीते कल खराब मौसम के कारण हेली सेवा का संचालन नहीं हो सका था लेकिन आज यह सेवा फिर शुरू कर दी गई है लेकिन खराब मौसम के कारण कब तक जारी रह पाएगी कुछ नहीं कहा जा सकता है। खराब मौसम के बीच भले ही रेस्क्यू अभियान जारी हो लेकिन यह काम अब सामान पहुंचाने और लोगों को इधर से उधर लाने ले जाने तक ही सीमित है न तो हर्षिल में लापता हुए सैन्य बल के नौ लोगों में से अभी तक किसी का कुछ पता चल सका है और न ही 39 लोगों में से किसी एक की भी खोज खबर लग सकी है जिनकी सूची जारी की गई है।

❑14 अगस्त तक चार धाम यात्रा पर पूरी तरह रोक
❑हाईकोर्ट ने अपनी मॉनिटरिंग टीम भेजी धराली
❑हर्षिल में बनी झील से धराली पर फिर खतरा

इस आपदा के दौरान हर्षिल में बनी एक बड़ी झील को लेकर विशेषज्ञों की चिंता ने भी थोड़ी परेशानी बढ़ा दी है अगर इस क्षेत्र में अब अधिक बारिश हुई और इस झील का जलस्तर बढ़ा तो एक बार फिर धराली में वाटर बम फटने का खतरा बना हुआ है। मौसम विभाग द्वारा 15 अगस्त तक उत्तरकाशी सहित राज्य के सभी जिलों में येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है जिसके मद्देनजर पूरे प्रदेश को सरकार ने अलर्ट मोड पर रखा है। चारधाम यात्रा और हेमकुंड साहिब यात्रा के साथ फूलों की घाटी जाने पर भी 14 अगस्त तक पूर्ण रोक लगा दी गई है। राज्य में जारी बारिश के कारण लगभग सभी नेशनल हाईवे कई स्थानों पर बंद है। बदरीनाथ हाईवे गोचर के पास भूस्खलन से बंद है वहीं गंगोत्री मार्ग भी कई जगह अवरुद्ध है नेताला के पास सड़क पर इतनी दलदल है कि यहां कई वाहन फंसे हुए हैं। कोटद्वार दुगड्डा मार्ग भी बंद है उधर भटवाड़ी में पहाड़ से लगातार मलवे का आना जारी है।

उधर नैनीताल हाई कोर्ट द्वारा हर्षिल और धराली में आई आपदा के पीड़ितों को लेकर चलाए गए रेस्क्यू अभियान व प्रभावितों की मदद की हकीकत जानने के लिए एक 10 सदस्यीय मॉनिटरिंग कमेटी को धराली भेजा है जो हाई कोर्ट को रेस्क्यू अभियान की रिपोर्ट सौंपेगी।

दून वैली मेल

संपादकीय

धराली आपदा का दर्द अनंत

धराली आपदा पीड़ितों को मिले जख्मों का भर पाना आसान नहीं है। इस आपदा में जिन परिवारों ने अपनों को खोया है और जिनके घर परिवार सब कुछ देखते-देखते खत्म हो गया उनके पास सिसकियों के सिवाय कुछ नहीं बचा है उनका दर्द वही समझ सकते हैं, उनके अलावा इस दर्द को अन्य कोई भी नहीं महसूस कर सकता है। भले ही शासन प्रशासन के स्तर पर उनकी कुछ भी सहायता की जाय वह इन आपदा प्रभावितों के जख्मों को नहीं भर सकती है। धराली में एक नहीं सैकड़ो की संख्या में ऐसे लोग हैं जिन्होंने इस आपदा में न सिर्फ अपने जीवन भर की कमाई और संपदा को खो दिया है बल्कि कई ऐसे भी है जिनके परिवार में अपनों के लिए रोने वाला भी कोई नहीं बचा है। इस आपदा का सबसे दुखद पहलू यह है कि आपदा ने आपदा प्रभावितों की मदद के लिए पहुंचने के भी सभी रास्तों को बंद कर दिया। जिसके कारण पहले दो दिनों तक किसी तरह की कोई मदद प्रभावितों तक पहुंच ही नहीं सकी। सड़क मार्ग इतनी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए कि धराली तक किसी वाहन तो दूर किसी का पैदल पहुंचना भी संभव नहीं हो सका। शासन प्रशासन अपनी पूरी ताकत झोंक कर भी 6 दिन बाद भी इन मार्गो को सुचारू नहीं बना सका है। वही खराब मौसम हेली सेवा को बाधित करता रहा है। भले ही अब धराली तक जेसीबी और ऑकलैंड जैसी भारी मशीनरी पहुंच चुकी हो तथा सर्चिंग डॉग स्क्वायड टीम और वह आधुनिक उपकरण भी पहुंच चुके हो जो मलबे में दबे लोगों का पता लगाने में सक्षम हो लेकिन यह बचाव और राहत काम शुरू होने में अब इतनी देर हो चुकी है कि वहां जीवन की किसी संभावना की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। 30 से 40 फीट ऊंचे इस मलबे और पत्थरों के ढेर में अब किसी को खोज पाना संभव नहीं है। गंगोत्री से लेकर हर्षिल और गंगनानी तक पसरा इस आपदा क्षेत्र का दायरा इतना बड़ा था कि शासन प्रशासन को यह भी समझ नहीं आ सका कि बचाव और राहत कार्य कहां से शुरू किया जाए। हजारों की संख्या में पर्यटक जगह-जगह फंसे थे। जिन्हें हेली सेवा से रेस्क्यू किया गया अब तक 1200 से अधिक यात्री निकाले जा चुके हैं। जहां तक बात धराली की है तो उसका तो नामोनिशान ही मिट चुका है। यहां इस आपदा में जान माल के नुकसान का आकलन भी संभव नहीं है। न मरने वालो की संख्या का और न लापता लोगों की संख्या का कोई पुख्ता आंकड़ा अब तक सामने आ सका है न आने की संभावना है। इस आपदा ने न सिर्फ राज्य में हो रहे उस अनियोजित विकास पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं बल्कि चार धाम यात्रा को पूरे साल 12 महीने संचालित किए जाने के फैसले को भी गलत साबित कर दिया है जो इसी साल किया गया था। मानसून काल में पहाड़ों पर आवागमन कितनी जटिल समस्या है इसका उदाहरण है यह धराली आपदा। यदि यात्रियों की सुरक्षा नहीं की जा सकती है तो मानसून काल में यात्रा नहीं होनी चाहिए। कुछ लोगों का आकलन है इस आपदा में हजारों लोगों की जान गई है लेकिन इसकी पुष्टि संभव नहीं है।

कौन बनेगा दून का जिला पंचायत अध्यक्ष

कांग्रेस मजबूती से लड़ेगी: प्रीतम

विशेष संवाददाता

देहरादून। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा को भले ही आशानुरूप नतीजे न मिल सके हो, लेकिन भाजपा जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुखों के चुनाव में कांग्रेस को पटकनी देने की ऐसी रणनीति पर काम कर रही है कि जिसके द्वारा उसका वर्चस्व कायम रह सके।

जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर भाजपा के चार उम्मीदवारों के निर्विरोध जीतने के बाद अब सिर्फ आठ सीटों पर चुनाव होना है। जिसमें देहरादून जिला पंचायत अध्यक्ष की सीट भी शामिल है जिस पर एक संघर्षपूर्ण और रोमांचक मुकाबला होने जा रहा है। सरकार ने बड़ी चतुराई के साथ दून की जिला पंचायत अध्यक्ष की सीट को चुनाव परिणाम के बाद महिलाओं के लिए आरक्षित घोषित कर दिया गया लेकिन कांग्रेस ने इस सीट पर भाजपा को न जीतने देने के लिए कमर कस ली है।

भाजपा ने मधु चौहान जो पूर्व में भी दो बार जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुकी है, को अपना प्रत्याशी घोषित कर यह दबाव बनाने का प्रयास किया गया कि कांग्रेस अपना प्रत्याशी भी घोषित नहीं कर पाएगी। कुछ समय के लिए ऐसा प्रतीत भी हुआ लेकिन नामांकन पत्र भरने के अंतिम कुछ घंटों में कांग्रेस ने डोईवाला से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव जीती सुखविंदर कौर को नामांकन पत्र भरवा कर भाजपा को चौंका दिया वहीं प्रीतम सिंह के बेटे अभिषेक जिन्हें अध्यक्ष बनने से रोकने के लिए इस सीट को आरक्षित किया गया था वह अब उपाध्यक्ष के चुनाव लड़ रहे हैं।

❑अजय भट्ट का दावा जीतेंगे तो हम ही

भले ही भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों के नेताओं द्वारा इस सीट पर अपनी अपनी जीत के दावे पूरी मजबूती के साथ किये जा रहे हो लेकिन जीत के लिए जरूरी 16 वोट किसके पक्ष में पड़ेंगे यह बात ही तय करेगी की अध्यक्ष की कुर्सी पर कौन बैठेगा। एक तरफ महेंद्र भट्ट अपनी जीत सुनिश्चित बता रहे हैं तो दूसरी ओर प्रीतम सिंह पूरे दमखम के साथ लड़ने की बात कह रहे हैं। सूत्रों से यह भी जानकारी मिली है कि कांग्रेस के समर्थन में 17 जिला पंचायत सदस्य हिमाचल में ठहरे हुए हैं अगर यह सच है कि कांग्रेस को 17 सदस्यों को समर्थन है तो वह भाजपा को पटकनीं देने में सफल हो सकती है।

पिकअप की टक्कर से मोटरसाईकिल सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। पिकअप की टक्कर से मोटरसाईकिल सवार की मौत होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कालसी निवासी प्रदीप तोमर ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका चाचा अपनी मोटरसाईकिल से घर की तरफ आ रहा था जब वह विकासनगर के पास पहुंचा तभी पिकअप वाहन ने उसकी मोटरसाईकिल को टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सामूहिक दुष्कर्म के अन्य दो आरोपी पुलिस गिरफ्त में

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नाबालिग किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म व उसकी हत्या की कोशिश करने वाले दो नाबालिग आरोपियों को पुलिस ने पकड़ कर संरक्षण में ले किया है। मामले में मुख्य आरोपी पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

जानकारी के अनुसार बीते 9 अगस्त को धनपुरा पथरी निवासी शिकायतकर्ता ने थाना पथरी में तहरीर देकर बताया गया था कि उन्ही के गांव के अरविन्द व अन्य 2 युवकों ने उनकी नाबालिग बेटी को एंकर फैक्ट्री के पास बने सुनसान मकान में उठाकर ले जाकर पहले उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया और फिर पकडे जाने के डर से उसे मकान की छत से जान से मारने की नीयत से नीचे फेंक दिया। शिकायत के मुताबिक थाना पथरी पर पोक्सो एक्ट सहित सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी। अलग अलग स्थानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही पुलिस टीम ने घटना के मुख्य आरोपी अरविन्द को पहले ही 10 अगस्त को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया था। जिसके बाद पुलिस ने आज सुबह दोनो नाबालिग आरोपियों को संरक्षण में लेते हुए उन्हे किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश कर दिया है।

❑मुख्य आरोपी को पहले ही किया जा चुका है गिरफ्तार, पकड़ में आए दोनों आरोपी निकले नाबालिग, लिया संरक्षण में

हर्षिल हैलीपेड पर बनी झील को खोलने के प्रयास जारी

संवाददाता

उत्तरकाशी। हर्षिल हैलीपेड पर बनी झील को नियंत्रित ढंग से खोलने के प्रयास जारी है।

आज यहां धराली हर्षिल में आई भीषण प्राकृतिक आपदा के बाद हर्षिल हेलीपैड के निकट भागीरथी नदी पर बनी झील को नियंत्रित तरीके से खोलने के प्रयास उत्तराखंड जल विद्युत निगम और सिंचाई विभाग की टीमों द्वारा लगातार जारी

हैं। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य भी 5 अगस्त से स्वयं धराली हर्षिल में बने हुए हैं और आपदा पीड़ितों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराए जाने हेतु सभी व्यवस्थाओ का निरन्तर निर्देशन कर रहे है। हर्षिल हैलीपेड पर भागीरथी नदी पर बनी झील को मैनुअल तरीके से खोले जाने वाले स्थान पर जिलाधिकारी द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। हैलीपेड पर बनी झील को मैनुअली पंचर करने का प्रयास कर रहे कार्मिकों के साथ हाथ बंटाने में आज स्वयं जिलाधिकारी लग गए और लग रहे कार्मिकों का हौसला बढ़ाते दिखाई दिए। इससे झील खोलने में लगे कार्मिकों में उत्साह दिखाई दिया। गौरतलब हैं कि हर्षिल हैलीपेड पर बनी झील को नियंत्रित ढंग से खोलने के प्रयास निरन्तर जारी है।

संयुक्त मजिस्ट्रेट ने किया जलभराव की समस्या का स्थलीय निरीक्षण

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। संयुक्त मजिस्ट्रेट रूड़की, दीपक रामचंद्र शेट द्वारा आज ग्राम पुहाना एवं किशनपुर जमालपुर में जलभराव की समस्या का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान उनके साथ सिंचाई विभाग, लोक निर्माण विभाग, तहसीलदार तथा राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का विस्तृत अवलोकन किया गया तथा स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत कर समस्या के कारण एवं प्रभाव की जानकारी ली गई। संयुक्त मजिस्ट्रेट ने संबंधित विभागों को जल निकासी एवं मरम्मत कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए, ताकि बरसात के मौसम में ग्रामीणों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि जलभराव की समस्या का स्थाई समाधान सुनिश्चित करने के लिए विभागीय समन्वय आवश्यक है तथा सभी अधिकारी समयबद्ध तरीके से कार्यवाही करें।

मस्कारा लगाते समय इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, मिलेगा बेहतरीन लुक

आंखों को खूबसूरत बनाने के लिए मस्कारा एक जरूरी मेकअप प्रोडक्ट है। सही तरीके से मस्कारा लगाने से आपकी आंखें बड़ी और आकर्षक दिख सकती हैं, लेकिन अक्सर महिलाएं मस्कारा लगाते समय कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर बैठती हैं, जिससे उनका लुक सही नहीं आ पाता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देंगे, जिनसे आप मस्कारा लगाते समय ध्यान रख सकती हैं और हर बार बेहतरीन लुक पा सकती हैं।

सही ब्रश का चयन करें

मस्कारा लगाते समय सही ब्रश का चयन बहुत जरूरी है। अगर आपकी पलकें छोटी हैं तो आपको एक छोटे ब्रश वाले मस्कारे का इस्तेमाल करना चाहिए, जिससे आप आसानी से हर पलक तक पहुंच सकें, वहीं अगर आपकी पलकें लंबी हैं तो बड़े ब्रश वाले मस्कारे का चयन करें, जिससे आपको ज्यादा घना लुक मिलेगा। सही ब्रश से मस्कारा लगाना आसान हो जाता है और आपका लुक भी शानदार आता है।

बेस प्राइमर का उपयोग करें : मस्कारा लगाने से पहले बेस प्राइमर का उपयोग करना न भूलें। बेस प्राइमर आपकी पलकों को मजबूत बनाता है और मस्कारे को लंबे समय तक टिकाए रखता है। इसके अलावा यह आपकी पलकों को मोटा भी बनाता है, जिससे आपकी आंखें बड़ी और आकर्षक दिखती हैं। बेस प्राइमर लगाने से मस्कारा आसानी से फैलता है और गाढ़ा लुक देता है। इससे आपके मेकअप का प्रभाव भी बेहतर होता है और आंखें ज्यादा निखरी हुई लगती हैं।

जड़ से शुरू करें लगाना : मस्कारा लगाते समय हमेशा जड़ से शुरू करें। सबसे पहले अपनी जड़ों पर हल्का सा दबाव डालते हुए मस्कारे को लगाएं, फिर धीरे-धीरे ऊपर की ओर घुमाते हुए पूरी लंबाई पर मस्कारा लगाएं। इस तरीके से लगाने से आपकी पलकें पूरी तरह से ढक जाती हैं और एक गाढ़ा लुक मिलता है। इससे आपकी आंखें बड़ी और आकर्षक दिखती हैं। इस तरह आप हर बार बेहतरीन लुक पा सकती हैं।

दो कोट लगाएं : अधिकतर लोग सोचते हैं कि एक कोट मस्कारा लगाने से ही काफी होता है, लेकिन सच्चाई यह है कि दो कोट लगाने से आपकी पलकें ज्यादा घनी और लंबी दिखती हैं। पहले कोट के बाद थोड़ा इंतजार करें ताकि मस्कारा सूख जाए, फिर दूसरे कोट को हल्का सा ऊपर की ओर घुमाते हुए लगाएं। इससे आपकी पलकें पूरी तरह से ढक जाती हैं और एक बेहतरीन लुक मिलता है।

चिपचिपाहट से बचें : चिपचिपाहट तब होती है जब बहुत ज्यादा मस्कारा एक ही बार में लग जाता है जिससे आपकी पलकें चिपक जाती हैं। इसे रोकने के लिए, मस्कारे ब्रश को अच्छी तरह साफ करें और केवल उतनी ही मात्रा लें जितनी जरूरत हो। इन सरल लेकिन असरदार टिप्स को अपनाकर आप हर बार बेहतरीन लुक पा सकती हैं और अपनी आंखों को आकर्षक बना सकती हैं। इन छोटे-छोटे बदलावों से आपका मेकअप और भी बेहतर हो जाएगा। (आरएनएस)

नेल आर्ट करवाने के बाद नाखूनों का ऐसे रखें ध्यान, नहीं होंगे खराब

नेल आर्ट करवाने के बाद नाखूनों की देखभाल करना जरूरी है ताकि आपका नेल आर्ट लंबे समय तक बना रहे। सही देखभाल से न केवल आपके नाखून सुंदर दिखेंगे, बल्कि वे स्वस्थ भी रहेंगे। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने नाखूनों की देखभाल कर सकते हैं और उन्हें टूटने से बचा सकते हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप अपने नाखूनों को हमेशा खूबसूरत और मजबूत रख सकते हैं।

नाखूनों को नमी दें : नेल आर्ट करवाने के बाद सबसे पहले अपने नाखूनों को नमी दें। इसके लिए आप नेल ऑयल या क्रीम का उपयोग कर सकते हैं। यह आपके नाखूनों को सूखने से बचाएगा और उनकी चमक बनाए रखेगा। इसके अलावा नमी देने से आपके नाखून मजबूत रहेंगे और टूटने की संभावना कम होगी। दिन में दो बार नाखूनों पर नेल ऑयल या क्रीम लगाएं, खासकर सोने से पहले ताकि यह रात भर काम कर सके और आपके नाखून स्वस्थ रहें।

हल्के साबुन का इस्तेमाल करें : नेल आर्ट के बाद हल्के साबुन का उपयोग करना बेहतर होता है। कठोर साबुन आपकी नेल आर्ट को खराब कर सकते हैं और आपके नाखूनों को कमजोर बना सकते हैं। इसलिए हमेशा हल्के साबुन जैसे कि एंटी-बैक्टीरियल या नमी देने वाले साबुन का ही उपयोग करें। इससे न केवल आपकी नेल आर्ट सुरक्षित रहेगी बल्कि आपके नाखून भी मजबूत बने रहेंगे। इसके अलावा हल्के साबुन का उपयोग करने से आपकी त्वचा भी मुलायम और स्वस्थ रहेगी।

क्यूटिकल्स का ध्यान रखें : क्यूटिकल्स आपके नाखूनों की सुरक्षा करते हैं और इन्हें स्वस्थ रखना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप क्यूटिकल के तेल या क्रीम का उपयोग कर सकते हैं। यह आपके क्यूटिकल्स को नमी देगा और उन्हें टूटने से बचाएगा। इसके अलावा क्यूटिकल्स की सही देखभाल करने से आपके नाखून मजबूत रहेंगे और टूटने की संभावना कम होगी। दिन में दो बार अपने क्यूटिकल्स पर क्यूटिकल के तेल या क्रीम लगाएं, खासकर सोने से पहले ताकि यह रात भर काम कर सके।

हल्के हाथों से काम करें : नेल आर्ट करवाने के बाद हल्के हाथों से काम करना चाहिए ताकि आपका नेल आर्ट खराब न हो। भारी सामान उठाने या किसी भी तरह का जोर डालने वाले काम करते समय सावधानी बरतें। हल्के हाथों से काम करने पर आपका नेल आर्ट सुरक्षित रहेगा और आपके नाखून टूटेंगे नहीं। इसके अलावा हल्के हाथों से काम करने से आपके नाखून मजबूत रहेंगे और उनकी चमक भी बनी रहेगी। (आरएनएस)

बच्चा बिस्तर से गिर जाए तो सबसे पहले क्या करें!

छोटे बच्चों की केयर करना इतना आसान नहीं होता। बच्चे बहुत नाजुक होते हैं। उन्हें पकड़ने से लेकर यह ध्यान रखना कि उन्हें किसी तरह की दिक्कत न हो, काफी मुश्किल होता है।

वैसे नवजात अपनी जगह से ज्यादा इधर-उधर नहीं हो पाते लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप उन्हें ऐसे ही अकेले छोड़कर जा सकते हैं। बच्चों की प्रवृत्ति होती है कि वे अपने पैर चलाते रहते हैं और अपने हाथ फैलाते रहते हैं, इस वजह से उनके पलटने और बिस्तर से गिरने का खतरा बढ़ जाता है।

आप भले ही पूरे घर को बच्चे के लिहाज से सेट कर लें लेकिन इस बात की गारंटी नहीं है कि आपके बच्चे को चोट नहीं लगेगी। हो सकता है कि आप बस उसकी दूध की बॉटल उठाने के लिए ही मुड़ें और आपका बच्चा बेड से नीचे आ जाए।

अगर बच्चा सिर के बल गिरा है तो सबसे पहले चेक करें कि कहीं खून तो नहीं आ रहा या कहीं सूजा तो नहीं है। भले ही बच्चा गिरने के बाद ठीक दिख रहा हो फिर भी इसे मेडिकल इमरजेंसी के तौर पर लें और डॉक्टर को फोन करें। कई बार बच्चे डरकर भी रोते रहते हैं, उन्हें गले से लगाकर थपथपाएं।

बच्चे की 24 घंटे मॉनिटरिंग करें ताकि ये सुनिश्चित हो सके कि बच्चे को गंभीर चोट नहीं आई है। कुछ ऐसी सिचुएशंस हैं जब आपको तुरंत डॉक्टर के पास ट्रीटमेंट के लिए जाना चाहिए...

बच्चा बेहोश हो जाए

खून आ जाए

हड्डी टूटने के लक्षण दिखें

सिर में फ्रेक्चर का शक हो

बच्चा तेज रोए

इसके अलावा अगर आपको लगे कि बच्चा अजीब तरह से व्यवहार कर रहा है तो तुरंत उसे डॉक्टर के पास ले जाने की जरूरत है। पैरेंट्स को यह ध्यान रखना चाहिए कि भले ही बच्चे में तुरंत को दिक्कत न नजर आए लेकिन बाद में भी बच्चा अगर किसी तरफ करवट वगैरह लेने में रो रहा है या सो नहीं पा रहा तो डॉक्टर से मिल लें।

धूम्रपान से न केवल पिता बल्कि बच्चों को भी हो सकता है कैंसर

सिगरेट का धुंआ कितना नुकसानदायक हो सकता है यह इस बात से पता चलता है कि जो व्यक्ति धूम्रपान करता है उसे और उसके बच्चों को भी कैंसर जैसा घातक रोग हो सकता है। यह जानकारी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स के एनोटॉमी विभाग की प्रोफेसर के शोध में सामने आई है। शोध के मुताबिक, धूम्रपान करने वाले पुरुषों के शुक्राणुओं को ऑक्सीडेटिव डीएनए क्षति पहुंचती है। इस वजह से उनके बच्चों को कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। शोध में डॉक्टर ने 131 पिता और आरबी कैंसर जीन वाले बच्चों के नमूने एकत्र किए। इसके अलावा 50 स्वस्थ जोड़ों के भी नमूने एकत्र किए। इसमें सामने आया कि पिता के शुक्राणु में ऑक्सीडेटिव डीएनए क्षति की वजह से

उनके बच्चों को कैंसर की संभावनाएं अधिक थीं। यह शोध एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ कैंसर प्रिवेंशन में प्रकाशित हुआ है।

प्रोफेसर के मुताबिक, शोध में धूम्रपान छोड़कर योग और ध्यान करने से पिता के डीएनए में कम क्षति देखी गई। साथ ही, इससे स्पर्म के डीएनए में सुधार होता है। जोड़ों की योग और ध्यान अनुपालन के साथ फॉलोअप पर बार-बार जांच की गई। धूम्रपान छोड़ने के साथ-साथ जिन लोगों ने योग किया, उनमें छह महीने की अवधि में डीएनए क्षति कम देखने को मिली है। इससे उनके बच्चों में कैंसर की संभावनाएं कम हो जाती हैं। योग चिकित्सकों ने भी एम्स में किए गए शोध पर सहमत जताई है।

कुछ बातों को ध्यान में रखेंगी तो मजेदार रहेगी ऑनलाइन शॉपिंग

आजकल समय की कमी और काम के दवाब के चलते हम अपने बहुत सारे पसंदीदा कामों के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं। शॉपिंग भी इनमें से एक है। इसलिए अब ज्यादार समय हम चीजें ऑनलाइन मंगाना ही पसंद करते हैं। यहां जानिए, उन जरूरी बातों के बारे में, जो ऑनलाइन शॉपिंग के आपके अनुभव को मजेदार बना देंगी।

यह है शॉपिंग का पहला रूल

जब आप खुद बाजार शॉपिंग करने जाती हैं तो पहले से लिस्ट तैयार कर लेती हैं कि क्या-क्या खरीदना है। ऑनलाइन शॉपिंग करते समय भी ऐसा ही करें। ताकि अपनी पसंद का सामान सर्च करते वक्त आप चीजें भूलें ना। साथ ही मिल रहे ऑफर्स और कॉम्बो पैक्स का पूरा लाभ ले सकें।

ऐसे बचाएं पैसे

कई बार एक लिमिट तक के पेमेंट पर शॉपिंग साइट्स ग्राहकों को पेमेंट में छूट या गिफ्ट वाउचर देते हैं। कई बार मनी बैक का ऑफर भी होता है। ऐसे में आप अगर लिस्ट बनाकर शॉपिंग करती हैं तो आपको उस अमाउंट तक शॉपिंग करने में मदद भी मिलती है और फालतू की चीजें भी नहीं खरीदीं जाती।

मेजरमेंट करके बैठे

ऑनलाइन शॉपिंग में कपड़े खरीदते वक्त अपना साइज मेजर करके बैठें। सही मेजरमेंट जानने के लिए आप किसी फैमिली मेंबर की मदद भी ले सकती हैं। पहले से सोचकर रखें कि आपको टाइट फिट कपड़े चाहिए या लूज, जो आपको कंफर्ट फिट दे सकें।

फिल्टर्स की मदद लें

शॉपिंग करते समय आपके लैपटॉप, मोबाइल या कंप्यूटर की स्क्रीन पर जो भी टैब्स साइड में दिखाई दे रहे हों, उन सभी पर क्लिक करके दिए जा रहे ऑफर की जानकारी लें। साथ ही प्राइज चेक करें। इससे आपको पैसे सेव करने में मदद मिलेगी।

स्टार बॉय सिद्दू जोन्नालगड्डा स्टारर तेलुसु काडा की रिलीज डेट आउट

स्टार बॉय सिद्दू जोन्नालगड्डा, नीरजा कोना, टीजी विश्व प्रसाद, टीजी कृति प्रसाद, पीपल मीडिया फैक्ट्री की तेलुसु कड़ा 17 अक्टूबर, 2०25 को रिलीज हो रही है।

स्टार बॉय सिद्दू जोनलागड्डा एक रोमांटिक ड्रामा, तेलुसु काडा लेकर आ रहे हैं, जिसे लोकप्रिय स्टाइलिस्ट नीरजा कोना निर्देशित कर रही हैं। पीपल मीडिया फैक्ट्री बैनर के तहत टीजी विश्व प्रसाद और टीजी कृति प्रसाद द्वारा निर्मित, फिल्म की शूटिंग आगे बढ़ रही है। सिद्दू जोन्नालगड्डा के साथ राशी खन्ना और श्रीनिधि शेट्टी प्रमुख महिलाएँ हैं।

इस बीच, निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज़ की तारीख की घोषणा कर दी है। तेलुसु कड़ा 17 अक्टूबर, 2०25 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। दिवाली से पहले का जश्न इस दिवाली धमाका के साथ और भी ज़्यादा रोशन हो जाएगा, जो दिल और हास्य का एक बेहतरीन मिश्रण पेश करता है। यह समय फिल्म के लिए एक शानदार अवसर प्रदान करता है, क्योंकि इसे चार दिनों के विस्तारित सप्ताहांत का लाभ मिलेगा।

रिलीज़ डेट वाला पोस्टर एक मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है, जो चटख, धूप भरे रंगों और सोच-समझकर चुने गए परिधानों से भरपूर है, जो दर्शकों को तेलुसु काडा की जीवंत दुनिया में डुबो देता है। घोषणा वीडियो भी दिलचस्प लग रहा है, जो फिल्म के केंद्रीय संघर्ष को दर्शाता है, जहाँ नायक खुद को दो महिलाओं के बीच उलझा हुआ पाता है। निर्देशक नीरजा कोना की पहली फ़िल्म तेलुगु सिनेमा में एक नई और साहसिक आवाज़ लेकर आई है, जो एक ऐसी कहानी पेश करती है जो जितनी अप्रत्याशित है उतनी ही दिल को छू लेने वाली भी, और यथार्थवाद और सिनेमाई आकर्षण के बीच संतुलन बनाती है। नई पीढ़ी की निर्माता, कृति प्रसाद ने निर्देशक के साथ मिलकर काम किया है-शुरुआती कहानी पर चर्चा से लेकर फ़िल्म के निर्माण और निष्पादन तक-और फ़िल्म निर्माण के हर चरण में तालमेल और दूरदर्शिता का परिचय दिया है। यह फिल्म रिश्तों, आत्म-प्रेम और त्याग की बारीकियों में उतरती है, तथा इन विषयों को एक ऐसी कहानी में पिरोती है जो भावनात्मक रूप से स्तरित और ताजगीपूर्ण मौलिक है - और यह सब एक हास्यपूर्ण और मनोरंजक लेंस के माध्यम से बताया गया है।

सिद्धू जोनालागड्डा अपने विशिष्ट आकर्षण और ऊर्जा को स्क्रीन पर लाते हैं, एक नए युग के नायक की भावना को मूर्त रूप देते हैं - जो कि सहज, जीवंत और सहज रूप से मनोरम है। तेलुसु कड़ा में सहायक कलाकारों की भी अच्छी खासी संख्या है, जिसमें विवा हर्षा ने मुख्य भूमिका निभाई है। तकनीकी रूप से, फिल्म को एक अनुभवी टीम का समर्थन प्राप्त है। छायांकन ज्ञान शेखर बाबा ने किया है, जबकि फिल्म का संगीत थमन एस ने दिया है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता तकनीशियन नवीन नूली इसके संपादक हैं, जबकि अविनाश कोल्ला प्रोडक्शन डिज़ाइनर हैं। शीतल शर्मा कॉस्ट्यूम डिज़ाइनर हैं।

कुली- रजनीकांत का दिखा दमदार स्वैग, सेंसर बोर्ड ने दिया ए सर्टिफिकेट

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की मच अवेटेड फिल्म कुली' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में रजनीकांत का पुराना अंदाज देखने को मिला है।

ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया और हर जगह छा गया है। रजनीकांत को लेकर लोगों की दीवानगी का आलम ये है कि कुली के ट्रेलर को 1० मिनट में ही 1 मिलियन से ज्यादा लोगों ने देख लिया। इससे ये साफ होता है कि कुली को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है और वो फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कुली' एक एक्शन से भरपूर फिल्म है। इस एक्शन की झलक फिल्म के ट्रेलर में भी देखने को मिली है। फिल्म में जबरदस्त एक्शन को देखते हुए ही इसे ए सर्टिफिकेट मिला है। रजनीकांत की इस फिल्म का नॉर्थ इंडिया में भी जबरदस्त का क्रेज है। इसकी एक बड़ी वजह सुपरस्टार आमिर खान भी हैं, जिनका फिल्म में कैमियो है। आमिर ट्रेलर लॉन्च इवेंट में भी नजर आए। लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रजनीकांत और आमिर खान के अलावा नागार्जुन, श्रुति हासन, सौबिन शाहीर और सत्यराज भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। एक्शन पैक्ड कुली' 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रजनीकांत की कुली' का मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की वॉर 2' से होगा। वॉर 2' भी 14 अगस्त को ही सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। दोनों ही फिल्मों में जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा। ऐसे साथ ही बॉलीवुड की फिल्म वॉर 2' में जूनियर एनटीआर साउथ स्टार के तौर पर नजर आएंगे। जबकि साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म में बॉलीवुड स्टार आमिर खान नजर आएंगे। ऐसे में दोनों ही फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त क्लैश होने की उम्मीद है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

सोने से पहले फोन का उपयोग करना छोड़ दें, इससे मिल सकते हैं कई लाभ

आजकल लोग सोने से पहले फोन का उपयोग करना छोड़ दें तो उन्हें कई फायदे मिल सकते हैं। यह आदत न केवल नींद की गुणवत्ता को सुधारती है, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि सोने से पहले फोन का उपयोग न करने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं और कैसे यह आपकी नींद को बेहतर बना सकता है।

नींद की गुणवत्ता में सुधार

फोन का उपयोग करने से पहले नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है। फोन की स्क्रीन की नीली रोशनी हमारे दिमाग को जगाए रखती है, जिससे नींद आने में दिक्कत होती है। अगर आप सोने से पहले फोन का उपयोग नहीं करेंगे तो आपकी नींद गहरी और पूरी होगी, जिससे आप सुबह तरोताजा महसूस करेंगे। इसके अलावा गहरी नींद से शरीर को आराम मिलता है और मानसिक सेहत भी बेहतर होती है।

नीली रोशनी से बचें

फोन की स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी हमारी आंखों पर बुरा असर डालती है। यह आंखों की थकान, सूजन और दर्द का कारण बन सकती है। इसके अलावा नीली रोशनी से नींद भी प्रभावित होती है। अगर आप सोने से पहले फोन का उपयोग नहीं करेंगे तो आपकी आंखों पर तनाव कम होगा और आपकी नींद भी बेहतर होगी। इसके साथ ही आप सुबह तरोताजा महसूस करेंगे और मानसिक सेहत में भी सुधार होगा।

मानसिक शांति बनाए रखें

सोने से पहले फोन का उपयोग करने से मानसिक शांति भंग होती है। सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने या ईमेल देखने से दिमाग लगातार काम करता रहता है, जिससे मानसिक तनाव बढ़ता है। अगर आप सोने से पहले फोन का उपयोग नहीं करेंगे तो आपका दिमाग आराम करेगा और आप शांत महसूस करेंगे। इसके अलावा यह आदत आपको बेहतर नींद लेने में मदद करेगी और सुबह तरोताजा महसूस करेंगे।

समय प्रबंधन में सुधार

सोने से पहले फोन का उपयोग करने से समय प्रबंधन भी प्रभावित होता है। रात को देर तक मोबाइल चलाने से आपकी दिनचर्या बिगड़ जाती है और आप समय पर सो नहीं पाते। अगर आप सोने से पहले फोन का उपयोग नहीं करेंगे तो आपकी दिनचर्या नियमित होगी और आप समय पर सो पाएंगे। इससे आपकी नींद पूरी होगी और आप सुबह तरोताजा महसूस करेंगे, जिससे आपका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी बेहतर रहेगा।

परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताएं

सोने से पहले फोन का उपयोग करने से परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका कम हो जाता है। अगर आप रात को मोबाइल चलाने में व्यस्त रहते हैं तो परिवार या दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका नहीं मिलता। अगर आप सोने से पहले फोन का उपयोग नहीं करेंगे तो अपने परिवार या दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। इससे रिश्ते मजबूत होंगे और आप खुश रहेंगे। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -44

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

1		■	2		3	4	■	■
	■	5		■	6		7	■
8	9		■	10		■	11	
■	12		■	13		14	■	■
■	15			■	■	16	17	
■	18		■	19				■
■	■	■	20		■	21		■
■	22						■	23
24		■	25		■	■	26	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 43 का हल

स्वा	द	■	सा	म	ना	■	कै	दी
व	■	ख	ल	ना	य	क	■	वा
लं	प	ट	■	ना	क	क	ट	ना
बी	■	प	■	■	■	ड़ी	■	प
■	अ	ट	प	टा	■	■	शा	न
स	ह	■	यो	■	■	र	ति	■
ह	म	■	द	र	ब	द	र	■
म	क	र	■	सी	ल	■	■	■
त	■	क्षा	■	द	वा	खा	ना	■

14 अगस्त को जी5 पर आएगी जॉन अब्राहम की एक्शन फिल्म

बॉलीवुड एक्टर जॉन अब्राहम एक और एक्शन से भरपूर फिल्म के साथ वापसी कर रहे हैं। तेहरान नाम के यह थ्रिलर फिल्म दिनेश विजान के बैनर मैडॉक फिल्म्स के साथ उनकी पहली फिल्म होगी। मेकर्स ने फिल्म के ट्रेलर की रिलीज डेट का एलान किया है। आइए जानें फिल्म के अपडेट के बारे में। जॉन अब्राहम की फिल्म तेहरान पर पिछले कुछ समय से काम चल रहा है। शुरुआत में इस फिल्म को 2023 में रिलीज करने का प्लान था। लेकिन किसी वजह से इसे आगे बढ़ा दिया गया।अब ऐसा लग रहा है कि यह फिल्म इसी साल रिलीज होगी। क्योंकि गुरुवार को तेहरान के मेकर्स ने खुलासा किया कि जॉन की आगामी एक्शन-थ्रिलर का प्रीमियर स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान ओटीटी प्ले के प्रीमियम के माध्यम से जी5 पर होगा। मेकर्स ने फिल्म के ट्रेलर की तारीख का भी खुलासा किया है। फिल्म का ट्रेलर आज 1 अगस्त को रिलीज होने वाला है। इसका एलान करते हुए टीम ने लिखा, दिल्ली में एक ब्लास्ट ने सिर्फ एक दूतावास नहीं, एक सोए हुए जुनून को जगा दिया है। तेहरान इस स्वतंत्रता सप्ताह में आ रहा है, जी5 पर। मेकर्स ने तेहरान से जॉन का पहला लुक भी शेयर किया है। इसमें उनके चेहरे का एक हिस्सा घायल दिखाई दे रहा है। ऐसा लग रहा है कि वह किसी चीज पर निशाना साध रहे हैं। जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर अभिनीत आगामी हिंदी एक्शन-थ्रिलर फिल्म तेहरान रूस-यूक्रेनी युद्ध और वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित एक भू-राजनीतिक थ्रिलर है। अरुण गोपालन की निर्देशित और दिनेश विजान, संदीप लेजेल और शोभना यादव द्वारा निर्मित इस फिल्म के लेखक रितेश शाह और आशीष प्रकाश वर्मा हैं।

वॉर 2 का पहला गाना आवन-जावन रिलीज, दिखी ऋतिक-कियारा की रोमांटिक केमिस्ट्री

ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की मास एक्शन फिल्म वॉर 2 की रिलीज डेट नजदीक आती जा रही है। फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होने जा रही है। फिल्म का ट्रेलर पहले ही लोगों के बीच हाइप बढ़ा चुका है। फिल्म की रिलीज से पहले पहला गाना आवन-जावन रिलीज हो चुका है। गाने में ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी के बीच रोमांस देखा जा रहा है। वहीं, कियारा आडवाणी गाने में काफी स्टनिंग लुक में नजर आ रही हैं।

सॉन्ग आवन-जावन में ऋतिकर और कियारा की लव के साथ-साथ हॉट कैमिस्ट्री भी देखने को मिल रही है। गाने के बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और इसे प्रीतम ने अपने संगीत से सजाया है। गाने के सिंगर अरिजीत सिंह और निकिता गांधी हैं। बॉस्को लेसली मार्टिस ने इसे कोरियोग्राफ किया है। गाना हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगू भाषा में भी रिलीज हुआ है। गाने में ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी बेहद खूबसूरत दिख रहे हैं और एक्ट्रेस का बिकिनी अवतार भी दिख रहा है। कियारा और ऋतिक पहली बार स्क्रीन शेयर करने जा रहे हैं। वॉर 2 एक स्पाई मास एक्शन फिल्म है, जिसमें ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर एक मिशन के दौरान आमने-सामने नजर आएंगे। ट्रेलर में दोनों के बीच तगड़ी जंग देखी गई है और अब दर्शकों को बस फिल्म की रिलीज का इंतजार है। फिल्म स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होगी और इसमें देशभक्ति का भाव भी नजर आएगा। यशराज बैनर तले बनी फिल्म स्पाई यूनिवर्स की बड़ी फिल्म बनने जा रही है।

द राजा साब की रिलीज एक बार फिर टली, प्रशंसकों को करना होगा और इंतजार

अभिनेता प्रभास पिछले काफी समय से फिल्म द राजा साब को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी यह हॉरर कॉमेडी फिल्म रिलीज 5 दिसंबर, 2025 के लिए टाल दिया गया। अब खबर आ रही है कि द राजा साब के लिए दर्शकों को थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है। दरअसल, निर्माताओं ने एक बार फिर फिल्म की रिलीज टाल दी है। रिपोर्ट के अनुसार, द राजा साब को अब अगले साल संक्रांति के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इस लिहाज से यह फिल्म 9 जनवरी, 2026 को दर्शकों के बीच आएगी। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अगर निर्माताओं ने द राजा साब की रिलीज को टाला तो बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना रणवीर सिंह की धुरंधर और शाहिद कपूर की रोमियो से नहीं होगा। निर्देशक मारुथि ने द राजा साब के निर्देशन की कमान संभाली है। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता थमन एस इसमें संगीत देने वाले हैं। निर्माता इस फिल्म को काफी भव्य स्तर पर बना रहे हैं, जिसे देख दर्शक चौंक जाएंगे। वह वीएफएक्स को लेकर काफी ज्यादा सावधानी रख रहे हैं। टी जी विश्व प्रसाद इस फिल्म के निर्माता हैं। इस फिल्म में मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल, संजय दत्त और रिद्धि कुमार भी नजर आएंगे।

बॉर्डर 2 में मेधा राणा की एंट्री

आने वाले दिनों में कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जिनमें से एक बॉर्डर 2 भी है। इस फिल्म का खासतौर से उन दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है, जो देशभक्ति फिल्मों के शौकीन हैं। फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ नजर आएंगे और अब खबर है कि इसमें अभिनेत्र मेधा राणा की एंट्री भी हो गई है, जो इसमें वरुण की जोड़ीदार बनने वाली हैं। आइए जानते हैं कौन हैं मेधा राणा।

रिपोर्ट के मुताबिक, वरुण की हीरोइन की तलाश काफी समय से चल रही थी, जो अब आखिरकार मेधा पर आकर यह खत्म हुई है। उन्हें फिल्म में साइन कर लिया गया है। वह फिल्म में वरुण की प्रेमिका का किरदार निभाने वाली हैं बता दें कि मेधा के लिए यह बेशक एक बड़ा मौका है खुद को साबित करने का। इससे पहले वह शांतनु माहेश्वरी के साथ एमएक्स प्लेयर की वेब सीरीज इश्क इन द एयर में दिखी थीं।

निर्माता भूषण कुमार बोले, मेधा एक सैन्य परिवार से हैं और क्षेत्रीय बोली पर उनकी गजब की पकड़ है। हमारे लिए किसी ऐसी महिला को ढूंढना जरूरी था, जो स्वाभाविक रूप से इस क्षेत्र की बोली, भावना और मूल सार को अपना सके। मेधा ने न केवल अपनी प्रतिभा, बल्कि क्षेत्रीय बोली पर अपनी सहज पकड़ और एक कलाकार के रूप में अपनी भावनात्मक रेंज से भी टीम को प्रभावित किया। उनकी मौजूदगी फिल्म में अलग ही ताजगी लेकर आएगी।

मेधा को बाबिल खान अभिनीत फिल्म फ्राइडे नाइट प्लान में भी देखा गया था। मूल रूप से बेंगलुरु की रहने वाली मेधा गुड़गांव में पली-बढ़ीं। उनका सपना अभिनेत्री बनने का था। उन्होंने 16 साल की उम्र में मॉडल के रूप में अपना करियर शुरू किया। साल 2014 में मेधा ने बतौर मार्केटिंग इंटर्न काम किया। 2017 में उन्होंने पढ़ाना शुरू किया। इसी बीच उन्हें वूट की सीरीज लंदन फाइल्स मिल गई, जिसने उनके लिए मनोरंजन जगत के दरवाजे खोल दिए।

बॉर्डर 2 के निर्देशक अनुराग सिंह हैं। जेपी दत्ता और भूषण कुमार मिलकर इस फिल्म को बना रहे हैं। फिल्म 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। निर्माताओं के मुताबिक, यह बॉर्डर का सीक्वल नहीं है,क एक बिल्कुल अलग कहानी देखने को मिलेगी। यह नए कलाकारों के साथ बनाई गई एक नई फिल्म है, जिसमें किरदार नए हैं, नया युद्ध है और सनी भी वो किरदार नहीं निभा रहे हैं, जो उन्होंने पिछली फिल्म बॉर्डर में निभाया था।

देश को परमाणु खतरे से बचाने निकले अभिनेता प्रतीक गांधी

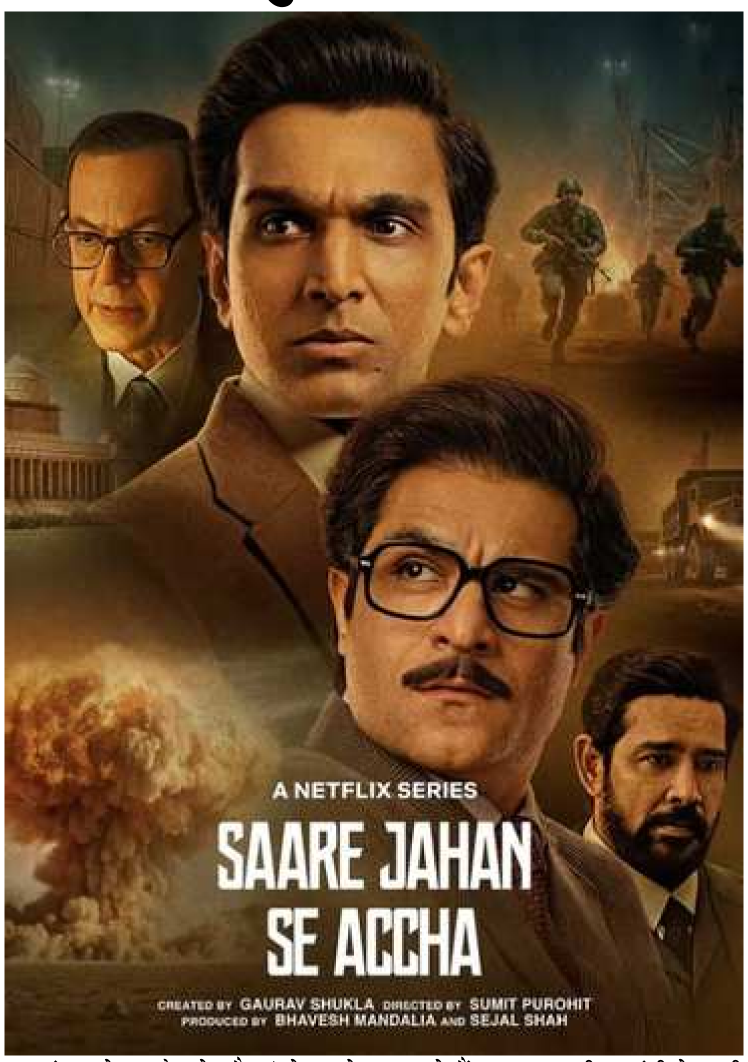

हंसल मेहता के शो स्कैम' से अपने अभिनय की छाप छोड़ने वाले अभिनेता प्रतीक गांधी अब एक नई सीरीज लेकर आ रहे हैं। इस बार प्रतीक गांधी देश की रक्षा करते हुए नजर आएंगे। उनकी नई सीरीज सारे जहां से अच्छा' एक स्पाई-थ्रिलर है।

इस अनाउंसमेंट वीडियो में प्रतीक गांधी एक जासूस के किरदार में नजर आ रहे हैं। वो कोई खुफिया जानकारी सुनते और उसे डिकोड करते दिख रहे हैं। वीडियो की शुरुआत में प्रतीक कहते हैं कि एक स्पाई के लिए एक छोटी जानकारी भी बहुत जरूरी होती है।' इसके बाद प्रतीक एक जासूस के लिए क्या-क्या जरूरी होता है और वो किन-किन बातों का ख्याल रखता है, उसके बारे में बताते हैं। वीडियो के अंत में एक कोड को डिकोड करते हुए सीरीज की रिलीज डेट सामने आती है, जिससे पता चलता है कि सारे जहां से अच्छा' 13 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है।

सीरीज की कहानी 1970 के दशक की उथल-पुथल भरी पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसमें जासूसी, बलिदान और देश के प्रति कर्तव्य की कहानी को दिखाया जाएगा। सीरीज में प्रतीक गांधी इंटेलिजेंस ऑफिसर विष्णु शंकर की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा इस सीरीज में सनी हिंदुजा, सुहैल नय्यर, कृतिका कामरा, तिलोत्तमा शोम, रजत कपूर और अनूप सोनी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। सारे जहां से अच्छा' का निर्देशन सुमित पुरोहित ने किया है। सीरीज में परमाणु खतरे को नाकाम करने के मिशन को दिखाया जाएगा।

आत्मनिर्भरता बढ़ाने विकास योजनाबद्ध जरूरी

भारत डोगरा

विश्व अर्थव्यवस्था और व्यापार में कई स्तरों पर बढ़ते अनिश्चय के बीच एक बार फिर नये सिरे से विभिन्न देशों ने आत्मनिर्भरता के महत्त्व को पहचाना है।

आत्मनिर्भरता का अर्थ यह नहीं है कि कोई देश अपनी सभी जरूरतों को अपने स्थानीय उत्पादन से ही पूरा करे। ऐसी परिभाषा आधुनिक समय में तो क्या बहुत पहले भी संभव नहीं थी। आत्मनिर्भरता का अर्थ यह है कि यथासंभव अपनी अधिक महत्त्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए देश स्थानीय उत्पादन और तकनीकी क्षमता का विकास करें तथा अन्य जरूरतों की आपूर्ति के लिए अपेक्षाकृत अधिक विसनीय स्रोत सुनिश्चित करें। कोई देश आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ता है और इसे अधिक महत्त्व देता है तो भी उसके लिए विदेशी व्यापार का महत्त्व भी अनेक संदभरे में बना रहेगा।

भूमंडलीकरण के दौर में राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता के उद्देश्य को कम महत्त्व दिया गया। यह कहा गया कि नये बदलावों के दौर में इसकी प्रासंगिकता नहीं रह गई है। यह सोच अनेक वर्षो तक हावी रही पर अब हाल की विश्व स्तर की उथल-पुथल के बीच यह मान्यता फिर बन रही है कि जो देश आत्मनिर्भरता को अधिक महत्त्व देते हैं, वे ही अपने लोगों की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने में अधिक सक्षम हैं और उनकी अर्थव्यवस्था अधिक सुरक्षित और मजबूत है।

आजादी के बाद हमारे देश में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को समुचित महत्त्व दिया गया। इसके लिए अनेक पूंजी और भारी उद्योगों की स्थापना की गई और जहां भी जरूरत हो इसके लिए सार्वजनिक क्षेत्र में उपक्रमों की स्थापना की गई। विज्ञान एवं तकनीकी के विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के संस्थान स्थापित किए गए जिनमें अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र के महत्त्वपूर्ण संस्थान भी थे। दवा उद्योग जैसे महत्त्वपूर्ण उद्योगों के विकास पर समुचित ध्यान किया गया। पंचवर्षीय योजनाएं बनाई गई ताकि ऐसे विभिन्न महत्त्वपूर्ण उद्देश्यों के लिए अधिक योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जाए और विभिन्न महत्त्वपूर्ण लक्ष्यों के बीच में आपसी तालमेल बनाया जा सके।

एक बड़ी चुनौती खाद्यान्न और कृषि क्षेत्र में थी। यहां भारत ने कुछ उपलब्धियां प्राप्त कीं तो कुछ बड़ी गलतियां भी कीं। इसका परिणाम यह हुआ कि चाहे मुख्य अनाजों गेहूं तथा चावल में भारत आत्मनिर्भरता प्राप्त कर सका पर इसके लिए रासायनिक खाद, कीटनाशक और अन्य दवाओं तथा इनसे जुड़ी ऐसी महंगी तकनीकों पर निर्भर हो गया जो मिट्टी तथा पानी के बुनियादी संसाधन आधार को भी क्षतिग्रस्त करती थीं और किसानों का खर्च भी तेजी से बढ़ाती थीं। इनता ही नहीं, दालों, खाद्य तेलों आदि के आयात पर भारत की निर्भरता बढ़ने लगी।

हाल के समय में जीएम फसलों और इनसे जुड़ी ऐसी तकनीकों के प्रसार के लिए भी निहित स्वाथरे ने बहुत जोर लगाया है जिनसे हमारा देश विश्व की कुछ बड़ी शोषक बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर अधिक आश्रित हो जाएगा। दूसरी ओर, अच्छी खबर यह है कि विभिन्न देशों में बहुत से किसान ऐसे सफल प्रयास कर रहे हैं जिनसे रासायनिक खाद, कीटनाशक दवाओं आदि पर निर्भरता कम होती है और परंपरागत, देशीय बीजों की रक्षा करने और उन्हें एकत्र करने की अधिक महत्त्व दिया जाता है। ये प्रयास पर्यावरण की रक्षा के भी अनुकूल हैं।

आज विश्व में जिस तरह की उथल-पुथल और मनमानी के निर्णय अंतरराष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में देखे जा रहे हैं, उनसे तो यह और भी स्पष्ट हो गया है कि आत्मनिर्भरता की नीतियां ही भारत जैसे महत्त्वपूर्ण विकासशील देशों के लिए सबसे उचित हैं। इसके साथ टिकाऊ विकास, पर्यावरण रक्षा के अनुकूल विकास और समावेशी विकास को अधिक महत्त्व देना चाहिए जिससे सबसे कमजोर वगरे की जरूरतें पूरी करने पर अधिक ध्यान किया जा सके।

आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए विकास को योजनाबद्ध करना भी जरूरी है। इस दृष्टि से देखें तो जिस तरह भारत में योजना आयोग और पंचवर्षीय योजनाओं को जल्दबाजी में समाप्त कर दिया गया, वह उचित नहीं है। इस बारे में हमें नये सिरे से विचार करना चाहिए कि विकास की राह को योजनाबद्ध कैसे किया जाए। इससे विभिन्न उद्देश्यों में तालमेल बेहतर ढंग से हो सकता है, और आत्मनिर्भरता के विभिन्न उद्देश्य बेहतर ढंग से प्राप्त हो सकते हैं।

अर्थव्यवस्था और आर्थिक सुधार किस राह पर आने चाहिए, इस संबंधी विमर्श बहुत हद तक धनी-पश्चिमी देशों और वहां के जाने-माने संस्थानों और अर्थशास्त्रियों से प्रभावित होता रहा है पर इसके परिणाम अधिक सुखद नहीं रहे हैं। समय आ गया है कि भारत जैसे प्रमुख विकासशील देश विकास और अर्थनीति संबंधी अपनी स्वतंत्र राह को अधिक महत्त्व दें। इस तरह हम विश्व स्तर पर भी ऐसी मौलिक सोच दे सकेंगे जो विशेषकर विकासशील देशों के लिए बहुत लाभदायक होगी। इस संदर्भ में महात्मा गांधी के विचारों पर नये सिरे से आज के संदर्भ में ध्यान देना जरूरी है। कुछ महत्त्वपूर्ण संदभरे में उनकी सोच आज भी बहुत प्रासंगिक है। इस सोच का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि ग्रामीण विकास को अधिक महत्त्व दिया जाए और ग्रामीण विकास में भी आत्मनिर्भरता को अधिक महत्त्व दिया जाए। जहां इस सोच के आधार पर महत्त्वपूर्ण कार्य हुआ है, वहां किसानों का खर्च कम करते हुए भी कृषि उत्पादकता को पहले जितना बनाए रखना संभव हुआ है, और कहीं-कहीं तो इसे बढ़ावा भी दिया जा सका है।

जहां पर किसान महंगे रासायनिक खाद और कीटनाशक छोड़कर स्थानीय संसाधनों गोबर, गोमूत्र, पत्तियों आदि पर आधारित खाद और हानिकारक जंतुओं को दूर रखने की दवाओं को अपना रहे हैं, वहां उनके उत्पादों अनाज, दलहन, तिलहन, सब्जी, फल आदि की गुणवत्ता भी सुधर रही है और स्वास्थ्य लाभ भी हो रहा है। इसी सुधार में अगला कदम यह है कि खाद्यों की प्रोसेसिंग गांव के स्तर पर ही अधिकतम की जाए। यदि तिलहन से तेल गांव स्तर पर प्राप्त किया जाए तो शुद्ध तेल भी मिलता है, और पशुओं के लिए खली भी मिल जाती है। गांव में रोजगार सृजन होता है, और बेहतर आय किसान को मिलती है। इसी तरह घी और मक्खन जैसे उत्पाद गांव के स्तर पर ही बनें तो छाछ और लस्सी के रूप में पोषण भी मिलता है, और आय भी बढ़ती है। दलहन, धान, गेंहू, मोटे अनाजों, फल, सब्जी सभी की बेहतर प्रोसेसिंग गांव और कस्बे के स्तर पर हो तो ये लाभ और बढ़ सकते हैं।

यह सब महात्मा गांधी की गांवों की आत्मनिर्भरता की सोच के अनुरूप ही है पर साथ में यह सोच इससे भी आगे जाती है। खादी की सोच हमें बताती है कि बड़ी मशीनों और नई तकनीकों के आगमन का अर्थ यह नहीं है कि अब हर जगह इन्हें ही छा जाना है। हमें अपनी स्थिति के अनुसार, रोजगार की संभावना को बढ़ाने को भी ध्यान में रखना है, परंपरागत हुनर और कौशल की रक्षा को भी ध्यान में रखना है, और साथ में आज की वास्तविकता और व्यवहारिकता को भी ध्यान में रखना है तथा इन सभी को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेने हैं। इन सभी को ध्यान में रखेंगे तो हैंडलूम और खादी जैसे क्षेत्रों के साथ सौर ऊर्जा जैसे नये क्षेत्रों में भी हम महत्त्वपूर्ण मौलिक योगदान विश्व स्तर पर दे सकते हैं। विश्व में आर्थिक बहस पश्चिमी और प्रचलित अवधारणाओं पर चल रही है, पर हम अपनी मौलिक सोच अपनी स्थितियों और जरूरतों के अनुरूप आपसी विमर्श और अध्ययन से बनाएं तो यह हमारे लिए भी उपयोगी होगा और इससे अन्य विकासशील देशों को भी बेहतर सोच मिलेगी।

सू- दोकू क्र.44

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.43 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

आर्थिक भविष्य को नई दिशा, भारत-ब्रिटेन के बीच एफटीए

ललित गर्ग

भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की अंतिम स्वीकृति ने न केवल वैश्विक व्यापार जगत में हलचल मचा दी है, बल्कि भारत के आर्थिक भविष्य को भी नई दिशा दी है।

पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से संरक्षणवाद बढ़ा है, उसमें ऐसे व्यापार समझौतों की भूमिका अहम हो जाती है। इस समझौते से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल अमेरिका, बल्कि अन्य देशों को भी भारत की मजबूत होती स्थिति का आईना दिखाया है, जो उनकी दूरगामी राजनीति का द्योतक है।

इस समझौते को मौजूदा दौर में दुनिया भर में जारी बहुस्तरीय तनाव, दबाव एवं दादागीरी की राजनीति के बीच सूझबूझभरी कूटनीतिक कामयाबी के तौर पर देखा जा सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुल्क के मोर्चे पर एक बड़ा संकट खड़ा कर दिया है, लेकिन भारत ने इस द्वंद्व के सामने झुकने की बजाय नये रास्ते खोजे हैं। निश्चित ही यह समझौता महज कागजी करार भर नहीं है, बल्कि विकसित भारत 2047' के स्वप्न को मूर्त रूप देने की ठोस रणनीति है। जहां एक ओर यह समझौता 99 प्रतिशत टैरिफ को समाप्त कर वस्त्र, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, कृषि और रत्न-आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को नई उड़ान देगा, वहीं छोटे उद्यमों, मछुआरों और किसानों को वैश्विक मंच पर पहचान भी दिलाएगा। भारत के ग्रामीण अंचलों से हल्दी, दाल, अचार जैसे उत्पाद अब ब्रिटिश बाजारों में अपनी महक फैलाएंगे।

मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में जिस प्रकार से गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता पर जोर दिया है, उसी का परिणाम है यह करार। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि भारत अब केवल बाजार नहीं, बल्कि निर्णायक शक्ति भी बन चुका है। यह समझौता सेवा क्षेत्र, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, निवेश, सामाजिक सुरक्षा, और दोहरे कराधान जैसे क्षेत्रों में भी भारतीयों के लिए नये द्वार खोलता है। खासकर ब्रिटेन में काम कर रहे भारतीय पेशेवरों के लिए यह राहत का संदेश है, जिन्हें सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट मिल सकेगी। यह समझौता इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि अब तक अमेरिका की ओर से पैदा किए गए किसी भी दबाव के आगे भारत ने झुकना स्वीकार नहीं किया और उसने भारत-ब्रिटेन जैसे नये विकल्पों को खड़ा करने और पुराने को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं।

मोदी के मेड इन इंडिया संकल्प की दृष्टि से यह डील अहम है। इससे करीब 99 प्रतिशत निर्यात यानी यहां से ब्रिटेन जाने वाली चीजों पर टैरिफ से राहत मिलेगी। इसी तरह ब्रिटेन से आनी वाली चीजें भारत में सस्ती मिल सकेंगी जिससे आम लोगों को अधिक गुणवत्ता वाला सामान सस्ते में सुलभ होगा और उनके जीवन स्तर में व्यापक सुधार होगा। इससे मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में भारत की हिस्सेदारी 2.8 प्रतिशत है, जबकि चीन की 28.8 प्रतिशत।

इसी तरह, देश की जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान 17 प्रतिशत है और सरकार इसे 25 प्रतिशत तक बढ़ाना चाहती है। इस तरह की डील से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर प्रदर्शन में सुधार होगा। कृषि सेक्टर को उन्नत बनाने एवं अधिक उत्पाद की दृष्टि से भी व्यापक फायदा होगा। इस समय भारत की बातचीत अमेरिका से भी चल रही है लेकिन वहां कृषि और डेयरी प्रॉडक्ट्स को लेकर रस्साकशी है। अमेरिका इन दोनों क्षेत्रों में खुली छूट चाहता है, जबकि अपने लोगों के हितों को देखते हुए भारत ऐसा नहीं कर सकता। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार होने से भारत के कृषि उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के एफटीए वस्तुओं और सेवाओं से कहीं आगे तक सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं नागरिक हितों तक जाते हैं। आस्ट्रेलियाई एफटीए के साथ भारत ने दोहरे कराधान का मुद्दा सुलझाया जो आईटी कंपनियों की परेशानी बढ़ा रहा था। ब्रिटेन के साथ समझौते का अहम बिंदु दोहरे अंशदान से जुड़ा है। यह ब्रिटेन में नियोक्ताओं, अस्थायी भारतीय कर्मियों को तीन वर्षों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट देता है।

नदियों में बैराज बनाकर प्रदेशभर को संतृप्त किया जाए: मुख्य सचिव

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने मंगलवार को सचिवालय में सिंचाई, लघु सिंचाई सहित जलश्रोत एवं नदी पुनर्जीवीकरण प्राधिकरण के साथ प्रदेश में बैराज, चौकडैम एवं जलाशयों आदि के निर्माण एवं संतृप्तिकरण की प्रगति की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेशभर में चौकडैम और बैराज के लिए अगले 5 वर्षों का प्लान तैयार किया जाए। साथ ही, टाईमलाईन के साथ कार्ययोजना प्रस्तुत की जाए।

मुख्य सचिव ने सिंचाई, लघु सिंचाई एवं जलश्रोत एवं नदी पुनर्जीवीकरण प्राधिकरण द्वारा कराए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि चौकडैम और बैराज से प्रदेशभर को संतृप्त किया जाना है। उन्होंने निर्देश दिए कि नदियों में बैराज बनाकर प्रदेशभर को संतृप्त किया जाए। कहा कि पेयजल की कम उपलब्धता वाले स्थानों को प्राथमिकता पर लेते हुए बैराज बनाए जाएं।

मुख्य सचिव ने कहा कि चौकडैम बनाए जाने के लिए विभागों द्वारा जलश्रोत एवं नदी पुनर्जीवीकरण प्राधिकरण की गाइडलाईन्स का अनुपालन अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होंने चौकडैम बनाए जाने के लिए जल ग्रहण क्षेत्र और जलश्रोतों के उपचार पर भी फोकस किया जाना चाहिए। कहा कि चौकडैम भूजल स्तर को सुधारने के साथ ही मानसून सीजन में धराली जैसी घटनाओं को रोकने में भी कारगर हो सकते हैं।

मुख्य सचिव ने कहा कि बैराज और चौकडैम की सूची तैयार कर प्राथमिकता तय की जाए। पेयजल एवं सिंचाई वाली योजनाओं को प्राथमिकता पर लिया जाए। साथ ही, उन्होंने शहरी क्षेत्रों में भूजल पुनर्भरण के लिए भी प्राधिकरण को लगातार कार्य किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जैव-अनुकूल तकनीक को भी अपनाए जाने की बात कही।

मुख्य सचिव ने प्रदेश में जलाशयों के निर्माण कार्य में भी तेजी लाए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जलाशय निर्माण में तेजी लाए जाने हेतु सचिव सिंचाई को साप्ताहिक समीक्षा किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जनपद पौड़ी के सतपुली बैराज को शीघ्र पूर्ण किए जाने और जनपद नैनीताल में प्रस्तावित खैराना बैराज का निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू किए जाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान सिंचाई, लघु सिंचाई एवं जलश्रोत एवं नदी पुनर्जीवीकरण प्राधिकरण द्वारा किए जाने रहे कार्यों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया।इस अवसर पर सचिव दिलीप जावलकर, युगल किशोर पंत एवं अपर सचिव हिमांशु खुराना सहित सिंचाई एवं लघु सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

टिहरी में भाजपा ने बदला जिला पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी

हमारे संवाददाता

टिहरी। टिहरी में भाजपा ने आज अचानक अपना जिला पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी को बदल कर निर्दलीय को प्रत्याशी बनाते हुए एक चौंकाने वाला फैसला लिया है। इससे राजनीति हलकों में कई तरह की बातें उठने लगी है।

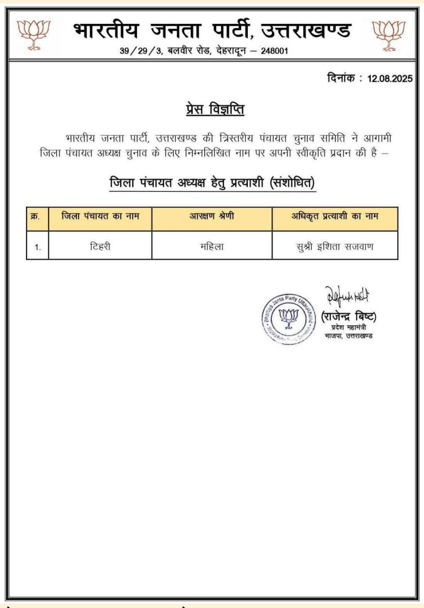

भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखण्ड

39/29/3, बलवीर रोड, देहरादून – 248001

दिनांक : 12.08.2025

प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखण्ड की त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव समिति ने आगामी जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव के लिए निम्नलिखित नाम पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है –

जिला पंचायत अध्यक्ष हेतु प्रत्याशी (संशोधित)

क्र.	जिला पंचायत का नाम	आरक्षण श्रेणी	अधिकृत प्रत्याशी का नाम
1.	टिहरी	महिला	सुश्री इशिता सजवाण

(राजेन्द्र बिष्ट)
प्रदेश महामंत्री
भाजपा, उत्तराखण्ड

विदित हो कि टिहरी जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर भाजपा ने पहले अपना प्रत्याशी श्रीमती सोना सजवाण को बनाया था लेकिन आज पार्टी ने इसमें अचानक बदलाव करते हुए निर्दलीय इशिता सजवाण को अब अपना प्रत्याशी बनाया गया है। भाजपा के इस फैसले को देखते हुए क्षेत्र की राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ने लगी है।

बता दें कि भाजपा के इन पंचायत चुनावों में अपेक्षित सफलता हासिल नही हुई है। हालांकि अब भी भाजपा की सीटे अन्य दलों से ज्यादा है लेकिन भाजपा के कई राजनीतिक दिग्गज इन चुनावों में गच्चा खा चुके है। इसलिए भी अब भाजपा संगठन किसी तरह की कोर कसर उठाकर नहीं रखना चाहता है।

उत्पीड़न के विरोध में पैदल मार्च निकाल किया नगर आयुक्त का घेराव

संवाददाता

हरिद्वार। अतिक्रमण के नाम पर रेडी पटरी के लघु व्यापारियो के उत्पीडन के खिलाफ पैदल मार्च निकाल नगर आयुक्त का घेराव कर ज्ञापन सौंपा।

आज यहां नगर निगम क्षेत्र के रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भारी बरसात में अतिक्रमण के नाम पर रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों के शोषण व उत्पीड़न के विरोध में लघु व्यापार एसो.के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में देवपुरा चौराहे से नगर आयुक्त के कार्यालय तक पैदल मार्च निकालकर नारेबाजी करते हुए जोरदार प्रदर्शन कर नगर आयुक्त के कार्यालय का घेराव किया। नगर आयुक्त नंदन कुमार को अपनी एक सूत्रीय मांग का ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में मांगों को दोहराते हुए नगर निगम क्षेत्र के वर्ष 2018 के सर्व पंजीकृत रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को पूर्व के चिन्हित वेंडिंग जोन में व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की मांग के साथ शीघ्र ही फेरी समिति की बैठक आयोजित किए जाने की मांग को दोहराया।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसो.के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा वर्ष 2018 में नगर निगम प्रशासन द्वारा नगर निगम क्षेत्र के रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स का सर्वे कर पंजीकरण किया गया था नगर निगम में पंजीकृत रेड़ी पटरी के लघु व्यापारी की संख्या 2545 है सभी पंजीकृत रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को पूर्व के चिन्हित वेंडिंग जोन में व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की कार्रवाई को प्रचलन में लाकर उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार फेरी समिति के बैठक का आयोजन कर सभी पंजीकृत लघु व्यापारियों को रोड़ी बेल वाला, पंतदीप पार्किंग, विष्णु घाट उत्तरी हरिद्वार ,कनखल, ज्वालापुर इत्यादि इत्यादि क्षेत्रों के वेंडिंग जोन में व्यवस्थित स्थापित किया जाना न्याय संगत होगा। रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारी सगठन के प्रतिनिधियों को आश्वासन देते हुए नगर आयुक्त नंदन कुमार ने कहा शीघ्र ही उच्च अधिकारियों से वार्ता कर सभी चिन्हित वेंडिंग जोन स्थानीय कारोबारी रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों की समस्या के निदान के लिए फेरी समिति की बैठक आयोजित उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार नगर निगम क्षेत्र के पंजीकृत स्ट्रीट वेंडर्स के लिए योजना व नियम बनाकर नियम अनुसार उचित कार्रवाई की जाएंगी। प्रदर्शन करने वालों में लघु व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों मे मोनू तोमर, शिवकुमार गुप्ता, कमल सिंह, अनुज त्रिवेदी, वीरेंद्र प्रभात, उमेश कुमार, कमल शर्मा, नंदकिशोर गोस्वामी, नीरज कश्यप, चंदन रावत, जय सिंह बिष्ट, शिवकुमार, दारा सिंह, नीतीश अग्रवाल, आजम असारी, नईम सलमानी, तसलीम अहमद, रणवीर सिंह, जय भगवन, पूनम माखन, सीमा देवी, रजनी, इंदिरा, पुष्पा दास, कामिनी मिश्रा आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

कार पर चट्टान गिरने से एक की मौत, 3 घायल

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। सड़क हादसें में आज सुबह एक कार पर चट्टान गिर जाने से जहां एक व्यक्ति की मौत हो गयी वहीं तीन लोग घायल हुए है। सूचना मिलने पर राहत व बचाव दल ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर घायलो को अस्पताल पहुचाया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह रुद्रप्रयाग में बदरीनाथ हाइवे पर एक वाहन पहाड़ी से पत्थर गिरने से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया जिससे वाहन सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि वाहन में सवार अन्य तीन लोग घायल हैं। बताया जा रहा है कि चार लोग एक कार में सवार थे। जो देवाल से देहरादून की ओर आ रहे थे। बदरीनाथ हाइवे पर रतूड़ा पहुंचते ही वाहन पर पहाड़ी से भारी पत्थर गिर गए जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 3 अन्य घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस व बचाव राहत दल ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लिया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां उनका उपचार जारी है।

स्मैक तस्करी में एक गिरफ्तार, दूसरा फरार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। स्मैक तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 21 ग्राम स्मैक बरामद की गयी है। हालांकि मामले में एक तस्कर फरार होने में कामयाब रहा जिसकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना श्यामपुर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले सामान की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को चौकी चण्डीघाट क्षेत्रान्तर्गत अस्थाई बस अड्डा गौरीशंकर पार्किंग के मार्ग पर दो संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने उन्हे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगे। इस पर एक व्यक्ति को घेर कर दबोचा गया। जिसके पास से 21 ग्राम स्मैक बरामद हुई। हालांकि इस दौरान उसका साथी फरार होने में कामयाब रहा जिसकी तलाश जारी है। पूछताछ में उसने अपना नाम रवि पुत्र यशपाल निवासी पीर माजरा खत्री वाला थाना कुतुबशेर जनपद सहारनपुर बताया। जबकि फरार हुए साथी का नाम आकाश पुत्र प्रेमचंद निवासी रविदास मंदिर वाली गली जगजीतपुर हरिद्वार बताया जा रहा है। जिसकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। बहरहाल पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी रवि को एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

उत्तराखण्ड में नेक्स्ट-जनरेशन डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगाः धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाओं का शुभारंभ किया। इनमें डिजिटल उत्तराखण्ड एप का उद्घाटन, सुरक्षित, स्केलेबल और सुगम्य प्लेटफॉर्म आधारित 66 वेबसाइटों का उद्घाटन, नगरीय क्षेत्र में कूड़ा उठाने वाले वाहनों की रियल टाइम ट्रैकिंग के लिए विकसित की गई जीआईएस आधारित वेब एप का उद्घाटन, जन सुविधा के लिए संचालित 1905 सीएम हेल्पलाइन में एआई के अनुप्रयोग नवाचार का शुभारंभ और अतिक्रमण की निगरानी के लिए वेब आधारित एप्लीकेशन का शुभारंभ शामिल हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए राज्य में नेक्स्ट-जनरेशन डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत डिजास्टर रिकवरी के लिए भी एक अलग से मैकेनिज्म बनाया जाएगा। राज्य में शीघ्र ही भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए "एआई मिशन" प्रारंभ किया जाएगा, जिसे "एक्सीलेंस सेंटर" के रूप में विकसित किया जाएगा। गुड गवर्नेंस की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए राज्य में नेक्स्ट-जनरेशन रिमोट सेंसिंग एवं ड्रोन एप्लीकेशन सेंटर का विकास किया जाएगा। राज्य में एक विशिष्ट आईटी कैडर स्थापित करने के लिए सरकार प्रयास करेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड सुंदर पहाड़ी राज्य होने के साथ ही तकनीकी रूप से दक्ष राज्य के रूप में आगे बढ़े, इसके लिए राज्य सरकार "हिल से हाइटेक" के मंत्र पर कार्य कर रही है। आज प्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी 5 महत्वपूर्ण पहलों की शुरुआत की गई है। ये सभी नवाचार शासन व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के साथ ही विभिन्न सेवाओं में गति एवं पारदर्शिता भी लाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया अभियान के माध्यम से प्रौद्योगिकी और नवाचार का विस्तार हुआ है। उनके 'डिजिटल इंडिया' के सपने को साकार करने के लिए राज्य सरकार भी निरंतर प्रयास कर रही है। "डिजिटल उत्तराखण्ड" एप के माध्यम से लोग घर बैठे ही अनेक सरकारी सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। अब लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। यह एप प्रधानमंत्री के 'मिनिमम गवर्नमेंट - मैक्सिमम गवर्नेंस' के मंत्र को साकार करने में सहायक होगा। इससे सरकारी सेवाओं को एकीकृत, सरल और सुलभ बनाने में सहायता मिलेगी और विभिन्न गतिविधियों की मॉनिटरिंग भी आसानी से होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ै3ँ प्लेटफॉर्म पर आधारित 66 नई सरकारी वेबसाइटें विभागीय जानकारी को सुरक्षित, त्वरित और पारदर्शी तरीके से जनता तक पहुंचाएंगी। जीआईएस आधारित वेब ऐप शहरी क्षेत्रों में कूड़ा उठाने वाले वाहनों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग करेगा। अतिक्रमण की रोकथाम के लिए एक वेब-आधारित ऐप के माध्यम से कोई भी नागरिक अतिक्रमण की तस्वीर या वीडियो अपलोड कर सकेगा, जिस पर संबंधित विभाग तुरंत जांच कर कार्यवाही सुनिश्चित करेगा। इस पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन ट्रैक किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि 1905 सीएम हेल्पलाइन राज्य के नागरिकों और सरकार के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इस सेवा में भी एआई आधारित सुविधाओं से शिकायतों का ऑटो-केटेगराइजेशन, त्वरित समाधान और फॉलो-अप मॉनिटरिंग और भी बेहतर तरीके से होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में ऑनलाइन शिक्षा, ई-स्वास्थ्य सेवा और भूलेख डिजिटलीकरण जैसे कार्यों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल और सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से लोगों को घर बैठे ही अनेक सरकारी सेवाओं का लाभ प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। विद्यार्थियों के लिए स्मार्ट क्लासरूम और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म का भी विस्तार किया जा रहा है। दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को टेलीमेडिसिन और ई-संजीवनी सेवाओं के माध्यम से विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह घर बैठे उपलब्ध कराने का भी कार्य किया जा रहा है। "अपणी सरकार" पोर्टल द्वारा 886 सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध करवाया जा रहा है। राज्य के लगभग 95 प्रतिशत गांवों में दूरसंचार कनेक्टिविटी पहुंच चुकी है।

इस अवसर पर विधायक खजानदास, प्रमुख सचिव एल. फैनई, सचिव नितेश झा, डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, नीरज खेरवाल, डॉ. वी. षणमुगम, श्रीधर बाबू अदांकी, महानिदेशक यू-कॉस्ट प्रो. दुर्गेश पंत, निदेशक आईटी श्री गौरव कुमार (वर्चुअल माध्यम), नगर आयुक्त देहरादून श्रीमती नमामि बंसल, संबंधित विभागों के अपर सचिव एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज खेड़ी शिकोहपुर थाना भगवानपुर हाल निवासी ग्राम कुड़काबाला थाना बुग्गावाला जनपद हरिद्वार के एक व्यक्ति ने खुद की नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म करने के संबंध में आरोपी लियाकत पुत्र शफकत निवासी बन्दरजूड बुग्गावाला उम्र 50 वर्ष के खिलाफ थाना बुग्गावाला पर पोक्सो अधिनियम सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था। मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। जिसे पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बीती शाम कुड़का वाला चौक से धर दबोचा गया। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

ज्वैलर्स के परिवार को जहर देने के मामले में एजेंसी संचालक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। चोरी के इरादे से ज्वैलर्स के परिवार को खाने में जहर देने के मामले में पुलिस ने नौकरानियों का प्लेसमेंट करने वाली एजेंसी संचालक को गिरफ्तार कर लिया है। एजेंसी संचालक ही इस षडयंत्र का मास्टर माइंड है। पुलिस अब आरोपित दोनों नौकरानियों की तलाश में जुटी है।

जानकारी के अनुसार बीती 8 अगस्त को हरिलोक कालोनी ज्वालापुर निवासी गौरव कुमार ने कोतवाली ज्वालापुर में तहरीर देकर बताया गया था कि आरके एन्कलेव निकट आर्यनगर चौक स्थित उनके ससुर व उनके अन्य तीन परिजनों को मकान पर घरेलू काम के लिए रखी गयी नेपाली मूल की 2 नौकरानियों अनिशा राय व पुष्पा ने चोरी करने के इरादे से उनके खाने में जहर मिलाकर उनकी हत्या की कोशिश की गयी है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी। पुलिस जांच में सामने आया कि नेपाली मूल की उक्त दोनों नौकरानियों को दिल्ली में सूरज प्लेसमेंट नाम से एजेंसी चला रहे हीरा लामा व उसकी पत्नी द्वारा इस षडयन्त्र के तहत काम के लिए भेजा था। जिससे मौका मिलते ही वहां से योजनाबद्ध तरीके से चोरी की घटना को अंजाम दिया जा सके।

चोरी के इरादे से नौकरानियों ने खाने में मिलाया था जहर

दोनों महिलाओं ने योजनाबद्ध तरीके से परिवार के लोगों को नशीला खाना देकर बेहोशी की नींद सुला भी दिया था, लेकिन मकान मालिक की बेटी के घर पर आ जाने के कारण दोनों नौकरानियों को बिना चोरी किए ही वहां से फरार होना पड़ा। मामले में पुलिस ने दिल्ली स्थित सूरज प्लेसमेंट एजेंसी से कार्यालय से षड्यंत्र के आरोपित एजेंसी संचालक हीरा लामा को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं आरोपी दोनो महिलाओं की तलाश जारी है।

530 नशीले कैप्सूलों के साथ तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। नामी शिक्षण संस्थान में पढ़ने वाले दो छात्रों व एक मेडिकल स्टोर संचालक को पुलिस ने 530 नशीले कैप्सूलों के साथ गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

❑दो लोग नामी शिक्षण संस्थान के हैं छात्र

प्राप्त जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा सभी अधीनस्थों को अपने अपने क्षेत्र में प्रभावी चैकिंग अभियान चलाते हुए मादक पदार्थों की तस्करी/बिक्री में लिप्त अभियुक्तों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के अनुपालन में सेलाकुई पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत चेकिंग के दौरान नशा तस्करों शादाब सिद्दीकी तथा मोहम्मद मोहिद को कुल 480 नशीले कैप्सूल के साथ गिरफ्तार किया गया। जिनपर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। पूछताछ में शादाब द्वारा बताया गया कि वह पूरनपुर जनपद पीलीभीत उत्तर प्रदेश का मूल निवासी है देहरादून में एक प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थान में अध्यनरत है, जहां पर बीएमआरआईटी कोर्स कर रहा है

तथा मोहम्मद मोहिद द्वारा बताया गया कि वह भी पुरनपुर पीलीभीत उत्तर प्रदेश का रहने वाला है तथा सेलाकुई में मजदूरी करता है। दोनों एक ही कमरे में सेलाकुई में किराए पर रहते हैं अपने खर्चों को पूरा करने के लिए वह वसीम जिसका जमनपुर में शान मेडिकल स्टोर के नाम से मेडिकल स्टोर है जहां से वह प्रतिबंधित कैप्सूल खरीद कर अन्य छात्रों तथा मजदूरों को अधिक दामों पर बेच देते थे जिस सम्बन्ध में मेडिकल संचालक के विरुद्ध भी एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर मेडिकल संचालक वसीम को भी गिरफ्तार कर वसीम के कब्जे से 50 नशीले कैप्सूल बरामद किये गये। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।